Yad
बाबा तेरी याद ने सब कुछ भुला दिया।
विष से छुड़ा मुझे ज्ञान अमृत पिला दिया।
उजरी जिंदिगी को रोशन बना दिया।
डूबती नैया को किनारा दिला दिया।
मुस्कराता हुआ एक नया जहां दे दिया।
इन आँखों में मोहब्बत का चिराग जगा दिया।
ज़मीन से उठा अपने आंचल में बैठा दिया।
खुशी से अपने सीने से लगा दिया।
पत्थर बुद्धि को पारस बुद्धि बना दिया।
कौड़ी से जीवन को हीरे तुल्य बना दिया।
नयन हीन को ज्ञान प्रकाश दिला दिया।
निर्गुण हारे को सद गुणों से सजा दिया।
चरणों से उठा दिलतख्त पर बैठा दिया।
योग बल से विश्व राज्याधिकारी बना दिया।
21 जन्म निर्विघ्न होकर जीने का अधिकार दे दिया।
अप्राप्त नही अब दुनिया में कुछ संतुष्ट मणि बना दिया
अपने अनुपम प्यार से आत्मा का दीपक जला दिया।
राहों के पत्थर चुन फूलों का आशियाना बना दिया।
एक मुठ्ठी चावल के बदले सत्युग का मालिक

बना दिया।
अपने एहसानों के तले हमें दबा दिया।
अपनी सुंदर यादों को कल्प कल्प अमिट बना दिया।
हमें मुस्कराने की कला सिखा खुदको छिपा दिया। वाह बाबा वाह.. वाह बच्चे वाह.. कहना सिखा दिया।
मीठा बाबा..प्यारा बाबा ..मेरा बाबा .. का छू मंत्र दे दिया।

ॐ शांति।
मेरा शिव बाबा।